



अथ चैनं नित्यजातं नित्यं वा मन्यसे मृतम् ।
तथापि त्वं महाबाहो नैवं शोचितुमर्हसि ।।

यदि तुम यह सोचते हो कि आत्मा (अथवा जीवन का लक्षण) सदा जन्म लेता है तथा सदा मरता है तो भी हे महाबाहु ! तुम्हारे शोक करने का कोई कारण नहीं है ।
—श्रीमद्भगवद्गीता / 26

निदेशक महोदय का नववर्ष संदेश

संस्थान के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने समस्त संकाय, स्टाफ एवं विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके परिवारजनों तथा परिसरवासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नया वर्ष सभी के लिए उत्तम स्वास्थ्य, खुशी और सफलता लेकर आएगा तथा संस्थान परिसर शैक्षणिक, अनुसंधान, सांस्कृतिक एवं नवाचार संबंधी गतिविधियों से हर्षोल्लासित रहेगा। उन्होंने सभी से परस्पर प्रेम, सद्भावना और उल्लास के साथ संस्थान के चहुँमुखी विकास एवं उत्कृष्टता के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

संस्थान की दृष्टि से वर्ष 2025 विशेष महत्व रखता है। इस अवधि में पाठ्यक्रम समीक्षा प्रक्रिया पूर्ण कर नए, पुनर्गठित पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया गया है, जो अधिक लचीला, व्यावहारिक तथा सततता पर केंद्रित है। विद्यार्थियों के लिए सहायता प्रणालियों को भी सुदृढ़ किया गया है। पीएच.डी. कार्यक्रमों में भी संशोधन किए गए जिनका उद्देश्य आत्मनिर्भर, नैतिक एवं व्यावसायिक रूप से सक्षम शोधकर्ताओं का निर्माण करना है।

संस्थान के 67वें स्थापना दिवस के अवसर पर आई.आई.टी. दिल्ली द्वारा रिसर्च इम्पैक्ट रिपोर्ट जारी की गई, जिसमें विगत सात वर्षों में अनुसंधान एवं नवाचार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में संस्थान के योगदान को रेखांकित किया गया है।

शैक्षणिक एवं अनुसंधान के क्षेत्र में संस्थान का प्रदर्शन निरंतर सुदृढ़ हुआ है। आई.आई.टी. दिल्ली ने क्यू.एस. रैंकिंग में इंजीनियरिंग श्रेणी में वैश्विक स्तर पर 26वां तथा समग्र रूप से 150वां स्थान प्राप्त किया है। वर्ष 2025 के दौरान BSL-3 प्रयोगशाला, रिसर्च एम.आर.आई. तथा क्वांटम मटेरियल्स एवं डिवाइसेज़ और जल (IND-RIVERS) के क्षेत्र में नए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए गए हैं। अबू धाबी परिसर में रासायनिक इंजीनियरी में बी.टेक. तथा एनर्जी एंड सरस्टेनेबिलिटी में पीएच.डी. कार्यक्रम की शुरुआत के साथ उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

संस्थान द्वारा अनेक नई अनुसंधान पहलें आरंभ की गई हैं। राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के अंतर्गत आई.आई.टी. दिल्ली को क्वांटम मटेरियल्स एवं डिवाइसेज़ हेतु टेक्नोलॉजी हब के रूप में चयनित किया गया है। उद्योग एवं रक्षा क्षेत्र के सहयोग से बुलेटप्रूफ जैकेट, अत्यधिक तापमान के लिए वस्त्र, स्वदेशी बैलिस्टिक सामग्री तथा क्वांटम सुरक्षित संचार जैसी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों का सफल हस्तांतरण एवं प्रदर्शन किया गया है। हौज़ खास एवं सोनीपत परिसरों में अत्याधुनिक कैंरेक्टराइजेशन एवं फैब्रिकेशन सुविधाएँ विकसित की गई हैं। सोनीपत परिसर में स्थापित साथी (SATHI)—सी.आर.एफ. एवं नई रिसर्च एम.आर.आई. सुविधा से अंतर्विषयी एवं स्वास्थ्य-सेवा आधारित अनुसंधान को नई गति मिली है।

संस्थान के अवसंरचना विकास की दिशा में, प्रारंभिक चुनौतियों के बाद नए छात्रावासों,

स्टाफ क्वार्टर एवं अकादमिक ब्लॉक के लिए संशोधित डिज़ाइन के साथ निर्माण कार्य आरंभ हो चुका है। नालंदा अपार्टमेंट्स की उपलब्धता से संकाय आवास व्यवस्था में भी सुधार हुआ है।

संस्थान की अधिकांश शैक्षणिक एवं प्रशासनिक इकाइयों की बाह्य समीक्षाएँ पूर्ण कर ली गई हैं, जो आई.आई.टी. दिल्ली 2035 पहल के अंतर्गत अगले दस वर्षों की क्रियान्वयन योग्य रणनीतिक योजना तैयार करने में सहायक होंगी। प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने हेतु ई-ऑफिस के माध्यम से कागज-रहित व्यवस्था की दिशा में भी ठोस कदम उठाए गए हैं।

सोनीपत परिसर को एक आधुनिक अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र के रूप में विकसित करने के प्रयास जारी हैं और प्राप्त EOIS की उत्साहजनक प्रतिक्रिया के आधार पर ठोस योजनाएँ बनाई जा रही हैं। अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों को बेहतर मापदंडों और रैंकिंग के माध्यम से मान्यता मिली है। वर्ष 2026 में भी संस्थान को प्रगति के पथ पर अग्रसर रखने हेतु निदेशक महोदय ने सभी से निरंतर सहयोग, विचारों और परिश्रम की अपेक्षा व्यक्त की है।

आई.आई.टी. दिल्ली राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ, विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने के संकल्प पर निरंतर अग्रसर है।

जय हिन्द!

स्वागत

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त संदर्भ सं. 6843(3)/2026/Estt.I दिनांक 01.01.2026 के अनुसार **प्रो. वैभव पंत** ने 31.12.2025 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-12 में भौतिकी विभाग में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

प्रो. वैभव पंत को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने (जो भी पहले हो) तक संस्थान द्वारा प्रायोजित 'युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप' भी प्रदान की गई।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2026/479315 दिनांक 02.01.2026 के अनुसार **प्रो. रशिका नैय्यर** ने 01.01.2026 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-12 में प्रबंध अध्ययन विभाग में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

प्रो. रशिका नैय्यर को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने (जो भी पहले हो) तक संस्थान द्वारा प्रायोजित 'युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप' भी प्रदान की गई।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2026/479072 दिनांक 02.01.2026 के अनुसार **प्रो. कौशल्या** ने 01.01.2026 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-12 में विद्युत इंजीनियरी विभाग में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

प्रो. कौशल्या को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने (जो भी पहले हो) तक संस्थान द्वारा प्रायोजित 'युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप' भी प्रदान की गई।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2026/479310

दिनांक 02.1.2026 के अनुसार **प्रो. विजय केसवानी** ने 29.12.2025 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-11 में कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-II के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

प्रो. विजय केसवानी को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने (जो भी पहले हो) तक संस्थान द्वारा प्रायोजित 'युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप' भी प्रदान की गई।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2025/476924 दिनांक 24.12.2025 के अनुसार **प्रो. अनुपम रॉय** ने 18.12.2025 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-12 में ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

प्रो. अनुपम रॉय को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने (जो भी पहले हो) तक संस्थान द्वारा प्रायोजित 'युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप' भी प्रदान की गई।

- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt.-2/2025/478678 दिनांक 01.01.2026 के अनुसार **डॉ. स्वाती ठाकुर** ने 18.12.2025 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-10 में हिन्दी अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से हिन्दी कक्ष में नियुक्त किया गया है।

- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt.-2/2025/478490 दिनांक 31.12.2025 के अनुसार **श्री पंकज गुप्ता** ने 17.12.2025 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-06 में कनिष्ठ अधीक्षक (केयरटेकिंग) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से छात्र कार्य अनुभाग में नियुक्त किया गया है।

त्यागपत्र स्वीकृत

- स्थापना अनुभाग-1 से प्राप्त विज्ञप्ति सं. DIS/754/2025 दिनांक 11.12.2025 के अनुसार **डॉ. दिगंता राभा**, पोस्ट-डॉक्टरल फेलो (सेन्स विभाग) ने अपने पद से त्यागपत्र का अनुरोध किया था, जिसे सक्षम प्राधिकारी ने 09.12.2025 से स्वीकार कर लिया है। अतः डॉ. दिगंता को 09.12.2025 से संस्थान कार्य से मुक्त कर दिया गया है।

- स्थापना अनुभाग-1 से प्राप्त विज्ञप्ति सं. DIS/655/2025 दिनांक 09.12.2025 के अनुसार **डॉ. पवन कुमार**, पोस्ट-डॉक्टरल फेलो (केयर केन्द्र) ने अपने पद से त्यागपत्र का अनुरोध किया था, जिसे सक्षम प्राधिकारी ने 31.12.2025 को स्वीकार कर लिया है। अतः डॉ. पवन कुमार को 31.12.2025 से संस्थान कार्य से मुक्त कर दिया गया है।

- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt.-2/Pers/26874/2025 दिनांक 22.12.2025 के अनुसार **श्री प्रीतम योगी**, उप तकनीकी अधिकारी (विद्युत इंजीनियरी विभाग) ने संस्थान में अपने पद पर पुनर्ग्रहणाधिकार रखते हुए भा.प्रौ.सं. बॉम्बे में कार्यभार ग्रहण करने के लिए त्यागपत्र का अनुरोध किया था, जिसे सक्षम प्राधिकारी ने 22.12.2025 को स्वीकार कर लिया है। अतः श्री प्रीतम योगी को 22.12.2025 से संस्थान कार्य से मुक्त कर दिया गया है।

- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt.-2/Pers/ 26874/2025 दिनांक 29.12.2025 के अनुसार **श्री योगेश कुमार त्रिपाठी**, सहायक प्रशासनिक अधिकारी (स्थापना-2) ने संस्थान में अपने पद पर पुनर्ग्रहणाधिकार रखते हुए राजीव गांधी राष्ट्रीय विमानन विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण करने के लिए त्यागपत्र का अनुरोध किया था, जिसे सक्षम प्राधिकारी ने 29.12.2025 को स्वीकार कर लिया है। अतः श्री योगेश कुमार त्रिपाठी को 29.12.2025 से संस्थान कार्य से मुक्त कर दिया गया है।

प्रोफेसर प्रभारी (सोनीपत परिसर) तथा अध्यक्ष (सिविल एवं पर्यावरणीय इंजीनियरी विभाग) के कार्यकाल में विस्तार

कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/AREG/4/(3)/2025/478450 दिनांक 31.12.2025 के अनुसार निदेशक महोदय ने तत्काल प्रभाव से निम्नलिखित संकाय के कार्यकाल में निम्नानुसार विस्तार किया है :-

क्र.सं.	पदनाम	संकाय सदस्यों के नाम	कार्यकाल
1.	प्रोफेसर प्रभारी, भा.प्रौ.सं. दिल्ली सोनीपत परिसर	प्रो. सोमनाथ बैद्य रॉय, वायुमण्डलीय विज्ञान केन्द्र	01.01.2026 से आगामी 1 वर्ष तक
2.	अध्यक्ष, सिविल एवं पर्यावरणीय इंजीनियरी विभाग	प्रो. वसंत ए. मतसागर	22.01.2026 से आगामी 1 वर्ष तक

आई.आई.टी. दिल्ली के वर्ष 2000 बैच के विद्यार्थियों द्वारा संस्थान को ₹ 70 करोड़ से अधिक दान की घोषणा

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आई.आई.टी. दिल्ली) के वर्ष 2000 बैच के विद्यार्थियों ने संस्थान को ₹ 70 करोड़ से अधिक के दान की घोषणा की है। यह सभी शैक्षणिक सत्रों में अब तक का सबसे बड़ा दान है।

यह घोषणा आई.आई.टी. दिल्ली परिसर में आयोजित रजत जयंती पुनर्मिलन समारोह के दौरान की गई, जिसमें आई.आई.टी. दिल्ली के वर्ष 2000 बैच के भारत और विदेश के स्नातक एकत्रित हुए। इस समारोह ने पूर्व विद्यार्थियों (अल्युमनी) को परिसर भ्रमण, संकाय सदस्यों के साथ बातचीत और वर्तमान विद्यार्थियों के साथ मेलजोल के ज़रिए संस्थान से पुनः जुड़ने का अवसर प्रदान किया, जो आई.आई.टी. दिल्ली के साथ इस बैच के अटूट बंधन को दर्शाता है।

घोषित राशि का अधिकांश भाग आई.आई.टी. दिल्ली के अक्षय निधि कोष में

लगाया जाएगा। इससे संस्थान को शैक्षणिक कार्यक्रमों को सुदृढ़ करने, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने, छात्रवृत्ति और संकाय उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने और आई.आई.टी. दिल्ली की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप परोपकारी और रणनीतिक प्राथमिकताओं को सक्षम बनाने सहित कई पहलों का समर्थन करने के लिए दीर्घकालिक वित्तीय सहायता प्राप्त होगी।

बैच की ओर से बोलते हुए, आई.आई.टी. दिल्ली के पूर्व विद्यार्थी और बैच फंडरेजिंग लीड रोहित दुबे ने कहा, "आई.आई.टी. दिल्ली ने हमें निरंतर बदलते विश्व में सीखते रहने की सीख दी। अब समय आ गया है कि हम भी इस ज्ञान को आगे बढ़ाएं और वैज्ञानिकों, उद्यमियों और प्रौद्योगिकीविदों की अगली पीढ़ी को आकार देने में योगदान दें। यह केवल राशि का मामला नहीं है, यह भागीदारी और साझा ज़िम्मेदारी का मामला है। हम अपने संस्थान को कुछ ऐसा योगदान देना चाहते थे जिसका प्रभाव दशकों तक बना रहे।"

इस घोषणा का स्वागत करते हुए,

प्रो. निलंजन सेन रॉय, संकायाध्यक्ष, अल्युमनी संबंध, आई.आई.टी. दिल्ली ने कहा, वर्ष 2000 बैच के विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित यह प्रतिबद्धता अपने शिक्षण संस्थान के प्रति गहरे जुड़ाव को दर्शाता है। यह असाधारण घोषणा अनुसंधान, शिक्षा और अवसंरचना के क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों को महत्वपूर्ण रूप से सुदृढ़ करेगी, जिससे आने वाली पीढ़ियों पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगा। यह आगामी सत्रों के विद्यार्थियों को संस्थान के निरंतर विकास और उत्कृष्टता में सहयोग करने के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक बेहतरीन उदाहरण भी है।"

अकादमिक उत्कृष्टता, अनुसंधान क्षमता और सामाजिक प्रभाव को बढ़ाने वाली पहलों का समर्थन करते हुए पूर्व विद्यार्थियों का योगदान आई.आई.टी. दिल्ली के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्ष 2000 बैच के विद्यार्थियों द्वारा की गई यह घोषणा संस्थान के भविष्य को आकार देने में पूर्व विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयासों के प्रभाव का प्रमाण है।

आरोग्य स्वास्थ्य वार्ता शृंखला का आयोजन (सत्र-9)

आई.आई.टी. दिल्ली अस्पताल से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आई.आई.टी. दिल्ली अस्पताल और अकादमिक आउटरीच कार्यालय अपने स्वास्थ्य जागरूकता पहल आरोग्य स्वास्थ्य वार्ता शृंखला के 9वें सत्र की सहर्ष घोषणा करता है। यह सत्र “**हृदय संबंध (कार्डियोवैस्कुलर) सामान्य विकार**” पर एक सूचनापरक स्वास्थ्य वार्ता है। इस सत्र का उद्देश्य लक्षणों, रोकथाम, जीवनशैली में बदलाव और शुरुआती निदान के बारे में जागरूकता फैलाना है ताकि हृदयाघात से होने वाली मृत्यु दर और बीमारी को कम किया जा सके।

विषय: हृदय संबंधी (कार्डियोवैस्कुलर) सामान्य विकार

वक्ता: डॉ. राजीव नारंग, अध्यक्ष और प्रोफेसर, हृदयरोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

दिनांक: 20 जनवरी, 2026 (मंगलवार)

समय: शाम 4.00 बजे

स्थान: सेमिनार हॉल, आई.आई.टी.दिल्ली

स्वास्थ्य वार्ता की मुख्य बातें और मुख्य विषय:

- हृदय संबंधी (कार्डियोवैस्कुलर) सामान्य विकारों का अवलोकन
- शुरुआती चेतावनी के संकेत और लक्षण
- स्वस्थ हृदय के लिए जीवनशैली में बदलाव
- अनुशंसित डायग्नोस्टिक जाँच और स्क्रीनिंग
- प्रबंधन और उपचार के तरीके
- निवारक रणनीतियाँ और स्व-देखभाल के तरीके
- विशेषज्ञ के साथ संवादात्मक (इंटरैक्टिव) प्रश्नोत्तर सत्र

इस सत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निम्न लिंक पर पंजीकरण करें:-

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSc4BjYL6nO_acVY7lh9N361cEhhQDP49oOCSUuuvnvG927KDg/viewform?usp=header

कविता

मेरे सपनों के परिंदों की उड़ान

परिंदों ने उड़कर आसमानों को नाप लिया,
हमने ज़मीन पे बैठे परिंदों का साथ दिया,

उन्हें उड़ता देख मैं भी आसमानों में खो जाता हूँ,
उड़ने का लुत्फ़ मैं परिंदों से ही पाता हूँ,

मेरे घर आते हैं जब वो पीने पानी,
उनके कानों में मैं फुसफुसाता हूँ

उड़कर जब तुम आसमानों में जाते हो,
क्या मेरी तमन्नाओं को वहाँ पाते हो,

अगली बार जब तुम दूर जाना,
मेरे दोस्त, मुझे अपने संग ले जाना,

हम दोनों वहाँ साथ टहलेंगे,
बादलों में अठखेलियाँ खेलेंगे।

‘अम्मेंह’, मैं आज भी परिंदों को देखकर यही गाता हूँ,
उन्हें दूर उड़ता देख, ज़मीन पे बैठे आसमानों में खो जाता हूँ।
उनका दामन थामे, आसमानों की सैर मैं कर आता हूँ।।

प्रो. अमित मेंहदीरता “अम्मेंह”
प्रोफेसर, जैव चिकित्सा इंजीनियरी केन्द्र

राजभाषा नियम के अनुसार राज्यों का वर्गीकरण

क्षेत्र क- बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र।

क्षेत्र ख- गुजरात, महाराष्ट्र और पंजाब राज्य तथा चंडीगढ़, दमन और दीव तथा दादरा और नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्र।

क्षेत्र ग- खंड (1) और (2) में निर्दिष्ट राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से भिन्न राज्य तथा संघ राज्य क्षेत्र।